कॉलेज गर्ल की इंडियन सेक्स स्टोरी-6

“सुबह सो कर जगी और नहाने चली गई तो मुझे लंड का मुँह में लेना और चूसना और उसका चूची दबाना याद आने लगा. वही सोच कर मैं हंसने लगी. तब मैंने शीशे में अपने आपको देखा, मेरी चूचियां अभी भी हल्की लाल थीं और सूजी लग रही थीं. मेरा मुँह थोड़ा बड़ा खुलने लगा था. …”

Story By: (mini38)
Posted: सोमवार, मार्च 5th, 2018
Categories: जवान लड़की
Online version: कॉलेज गर्ल की इंडियन सेक्स स्टोरी-6

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कॉलेज गर्ल की इंडियन सेक्स स्टोरी-6

अब तक की मेरी इस इंडियन सेक्स कहानी में आपने जाना था कि अमित ने मेरे साथ चिपक कर खूब किस किये मेरे मम्मों को मींजा और अपने लंड का माल मेरी टांगों में निकाल कर अपनी उंगली से मुझे वीर्य का स्वाद चखा गया, मैं सोने का नाटक करती रही. अब आगे..

सुबह दिव्या के आने पर जगी और फिर से वही सारे दिन के काम होने लगे. कॉलेज जाना, कोचिंग जाना, अवी से बात करना और अमित से बात करना यही सब चलने लगा.

फिर एक दिन मेरे क्लास का सबसे अमीर और दिखने में भी अच्छे लड़के ने मुझसे दोस्ती करने को कहा. अब मैं तो ऐसे लड़कों को खोज ही रही थी.
उस समय तो मैंने उससे कहा कि सोच कर बताऊँगी.
उसने कहा कि सोचने में जितना समय लेना है ले लो, बस जवाब हाँ में देना.

इसी तरह जिंदगी चल रही थी कि मैंने फिर दिव्या के फोन से अमित से मेसेज से बात की और उससे पूछा कि तुम मिनी को किस करना चाहते थे, उसमें कोई दिक्कत तो नहीं हुई.

अमित- नहीं मेरी जान.. मुझे बहुत मज़ा आया.
मैं- अच्छा जितनी किस करने का कहा था, उतनी ही की थी ना ?
अमित- हाँ अब सामने इतना अच्छा माल था तो एक दो ज्यादा हो गई होंगी बस लेकिन यार वो किसी भी हिरोइन से कम नहीं है. अच्छा जानेमन जी एक काम और है.. छोटा सा है बस..
मैं- अब क्या है ?
अमित- मुझे मिनी को बिना कपड़ों के देखना है और इसके लिए मैं कोई भी कीमत चुकाने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

को तैयार हूँ.

मतलब अमित भी जान गया था कि अब पैसा फेंको और जो मन हो कर लो इसलिए मेरे बिना कहे उसने कह दिया कि कोई भी कीमत चुका दूंगा.

मैं- यार, मेरी समझ में नहीं आ रहा कि उसमें ऐसा क्या है जो इतना पैसा खर्च कर रहे हो ?
अमित- ये तुम ना जानो बस बताओ मेरा काम हो जाएगा कि नहीं ?
मैं- हो जाएगा पर खर्च ज्यादा लगेगा.
अमित- हां हां मैं कर दूंगा.. बताओ कैसे ?
मैं- अरे रुको बता रही हूँ.
अमित- हाँ जल्दी बताओ यार ये मेरी बरसों की तमन्ना है.
मैं- हां हो जाएगा, लेकिन केवल बिना कपड़ों के देख पाओगे छू भी नहीं पाओगे.. बताओ ?
अमित- ठीक है बस देख लूँ और एक बार हाथ लगा लूँ.. चाहे बिना कपड़ों के, चाहे कपड़ों में.. लेकिन उसी समय.
मैं- ठीक है हो जाएगा.
अमित- कैसे ?
मैं- बहुत आसान है.

अब मुझे तो सिर्फ पैसे चाहिए थे बस.. उसके लिए जो भी करना पड़े, मैं कर जाती और इसमें तो मज़ा मुझे भी आ रहा था.

अमित- कैसे ? साफ साफ जल्दी बताओ
मैं- देखो इस बार जब मैं (दिव्या) घर जाऊं तो तुम मिनी को अकेले में अपने कमरे पर एक पार्टी देना और मैं उसे उस ड्रेस पहन के आने के लिए बोल दूंगी, जो उसे अवी ने दी है. उसमें केवल एक गले पर बंधी पट्टी खोलोगे वो नीचे तक बिना कपड़ों के हो जाएगी. बस देख लेना लेकिन इसके बाद वो वहां रुकेगी नहीं.. ये मैं अभी बता दे रही हूँ, बाद में मत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कहना.
अमित- तुम तो ग्रेट हो यार.. इतना आसान बना दिया. वैसे एक बात बताऊँ वो रेड कलर की ड्रेस मैंने ही दी थी, अवी ने नहीं और उसमें साइड में कुछ है भी नहीं.. दूध भी दिखा करते हैं और ऊपर भी दिखते हैं, जिसमें पूरी पीठ खुली है.
मैं- हाँ वही है.. चलो जो तुमने दिया उसी में, तब तो मैं क्या बताऊँ तुमको सब मालूम ही है कि कैसे करना है.

अमित- एक काम और है.
मैं- अब क्या है ?
अमित- मुझे भी अपने आपको उसे बिना कपड़ों के नंगा दिखाना है तो कैसे होगा ?
मैंने हैरान होते हुए कहा- ये तो और आसान है यार.
अमित- वो कैसे ?
मैं- जब वो गुस्सा हो कर चली आएगी तो तुम उसे दो दिन बाद कॉल करना और उस दिन के लिए सॉरी कहना. उसी दिन बुला लेना कि उसकी पार्टी अभी बाकी है आकर ले ले और मुझे माफ़ी भी मांगनी है बस.
अमित- वाउ यार, तुम सच में ग्रेट हो लव यू तो तुम घर किस दिन जाओगी, जब मैं उसे पार्टी में बुलाऊं ?
मैं- आज मंगलवार है.. शनिवार को जाऊँगी मतलब 4 दिन बाद सन्डे को बुला लो और दुबारा माफ़ी मांगने के लिए 2 दिन बाद मंगलवार को बुला लो लेकिन बुलाना दुबारा तो ऐसे.. कि साथ में मैं ना रहूँ, नहीं तो सब गड़बड़ हो जाएगा. और अब तुम मिनी को सेक्सी एसएमएस किया करो.. और अब इस तरह का कोई भी काम हो तो सीधे उसी से कहा करो बस थोड़ा घुमा कर कह दिया करो.
अमित- ठीक है थैंक्यू यार ठीक है.. अब से मैं उसे सेक्सी एसएमएस करूँगा.

ऐसी बातें मैंने अमित से की मतलब मैं अपने मन से अमित के सामने और उसे अपने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सामने नंगा बिना कपड़ों के देखने का तरीका बता दिया था.. ये मेरी इच्छा भी थी.

गुरूवार की बात है, मैं कॉलेज गई थी लेकिन दिव्या नहीं गई थी. वो व्रत से थी और उसे एक मंदिर जाना था, जो कुछ अधिक दूर था. मन्दिर आने जाने में 4-5 घंटे लगते थे यानि दोनों तरफ का 10 से 12 घंटा समझो.

वो मेरे जाने के बाद 12 बजे घर से निकली और मैं उस दिन घर की चाभी ले जाना भूल गई थी. तो हुआ ये कि जब मैं कॉलेज से वापस आई तो अब मैं बाहर खड़ी थी.. मेरे पास चाभी ही नहीं थी. ये पक्का था कि दिव्या 12 बजे निकली है यानि उसे रात के 12 ही बजेंगे.

मैं कब तक बाहर खड़ी रहती तो मैंने अवी को कॉल किया और पूछा- कहां हो ?
उसने कहा- मैं घर पर हूँ क्यों कोई काम है क्या ?
मैंने कहा कि मेरी चाभी खो गई है मैं घर के बाहर खड़ी हूँ, किसी को बुला लाओ वो ताले को तोड़ दे.
अवी ने कहा- ठीक है मैं 5 मिनट में आता हूँ..

वो 5 मिनट में आ भी गया.
अवी- क्या हुआ मिनी ?
मैं- मेरी चाभी अन्दर रह गई है और दिव्या रात को आएगी तो इसे तोड़ना था बस.
अवी- अरे मिनी ये कहां टूटेगा, ये दाराजी किस्म का ताला है, इसे खोला जा सकता है बस, ऐसा करो तुम मेरे साथ मेरे घर चलो, जब दिव्या आ जाए तो आ जाना.
मैं- ठीक है.

इतना कहने के बाद मैं गाड़ी में बैठी और अवी के घर चली गई. मुझे भूख लगी थी तो पहले अवी ने खाना लाकर दिया, फिर कहा कि आराम कर लो.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं बेड पर लेट गई. मैं कॉलेज ड्रेस में थी तो वो थोड़ा अजीब थी.. सही से लेटते नहीं बन रहा था.

अवी ने मुझसे कहा कि तुम यहाँ आराम करो, मैं 10-15 मिनट में आता हूँ और दरवाजा अन्दर से बंद कर लो. जब तक मैं ना आ जाऊं, तब तक मत खोलना.
इस पर मैंने कहा- ठीक है.

वो चला गया. मैं दरवाजा बंद करके लेट गई.. और टीवी चला कर देखने लगी. करीब 25 मिनट बाद अवी आया और उसने कहा- खोलो मैं हूँ.

मैंने खोला तो उसके हाथ में एक शॉपिंग का बैग था. उसने वो मुझे देते हुए कहा- तुम ड्रेस बदल लो, इसमें तुम्हें परेशानी होती है.
मैंने हैरान होकर कहा- पागल हो क्या अवी.. इसकी क्या जरूरत थी ?
उसने कहा- अब आ गई है, पहन लो मैं बाहर हूँ.

मैंने अपने कपड़े निकाले और वो ड्रेस पहन ली. वो ड्रेस मेरे बूब्स से लेकर चूतड़ों तक थी, पीछे पीठ में ऊपर से नीचे तक पूरे में चैन लगी थी. बाकी कहीं से खुली नहीं थी. इसे उसी चैन को खोल कर निकाला या पहना जा सकता था. बस बस बूब्स के ऊपर दोनों कंधे और सीना और पीठ खुली थी. मैंने बदल कर कॉलेज ड्रेस उसी में रख कर दरवाजा खोल दिया. अवी अन्दर आ गया और आते ही मेरी तारीफ की.

अब मुझे तारीफों की आदत हो गई थी. उसने मुझसे कहा- तुम थकी हो, सो लो.

मैं वहीं बिस्तर पर लेट गई. मुझसे थोड़ी दूर पर अवी भी लेट गया. वो मुझे देख रहा था. मैं सो गई, मुझे कुछ नहीं पता चला. जब मैं जगी तो काफी रात हो गई थी और अवी मेरी बांहों में बांहों को डाले मुझसे लिपटा हुआ सो रहा था. उसका एक हाथ मेरी पीठ पर था

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और सर मेरे मम्मों के पास लगा था. अपने पैर उसने मेरे ऊपर रखे हुए थे.

मुझे ये तो पता नहीं कि उसने कुछ किया या नहीं लेकिन मैंने उसे जगाना सही नहीं समझा और सोचा कि ऊपर खिसक कर मैं निकल जाऊं. मैं धीरे धीरे ऊपर खिसकने लगी ताकि अवी ना जगे. मेरे सूट की चैन अवी अच्छे से दबा कर पकड़े हुआ था और सूट भी नया था तो चैन बड़ी आराम से खुलने वाली थी. इस बात पर मैंने ध्यान नहीं दिया लेकिन जैसे जैसे मैं ऊपर खिसक रही थी मेरी ड्रेस खुलती जा रही थी.

जब मैं उठ कर खड़ी हुई तो पूरी ड्रेस खुल कर अवी के हाथ में आ गई और अवी उसी समय जग गया. पर वो नींद में था और उसने मेरा हाथ पकड़ के फिर से लिटा लिया. वो ड्रेस मेरे ही नीचे थी और अवी मुझ पर उसी तरह पैर रख कर और हाथ रख कर लेटा था. मैं हिलती तो वो और अपने नजदीक खींच लेता. अब मैं केवल पैंटी में रह गई थी क्योंकि इस ड्रेस में वो डोरी वाली ब्रा नहीं पहनी थी, जो मैं पहन के कॉलेज गई थी.

इस वक्त मैं अवी के कब्जे में थी और हिल भी नहीं पा रही थी. उधर उसका मुँह मेरी चुचियों में घुसा जा रहा था. फिर उसके मुँह में मेरी एक चूची का निप्पल पिल गया कि तभी अवी ने दाब दिया, तो मैं हल्का सा चीख पड़ी.
फिर पता नहीं अवी को अच्छा लगा या नहीं.. वो उसे नींद में ही पीने लगा और मुझे और कसके पकड़ लिया.

कुछ देर तक उसके चूची पीने के बाद मेरी चूचियां टाइट हो गईं. मैंने अवी के हाथ को अपनी चूची पर रख लिया. एक चूची तो वो पी ही रहा था, दूसरी पर उसका हाथ जम गया था.

कुछ देर तो कुछ नहीं किया.. फिर वो मेरी दूसरी चूची को सहलाने लगा और हल्के हल्के से दबा भी रहा था. सीन ये थे कि एक चूची पी रहा था दूसरी मसल रहा था.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर मैंने आखें बंद कर लीं, अब अवी जग गया था उसने मेरी आखें बंद देखी तो उसी तरह चूची दबाता रहा ताकि मैं आँखें ना खोलूं. लेकिन उसने मुँह से निप्पल निकाल दिया था.

कुछ पल बाद मैंने भी आखें खोल दीं. जैसे मैंने आखें खोलीं, अवी ने मुझे गले से लगा लिया और पीठ को हाथ से रगड़ने लगा. कुछ देर बाद लिप पर किस करने लगा.. गले में चूमा.. फिर मेरी चुचियों पर इस किया. वो मेरी एक चूची को दबाने लगा और एक को पीने लगा और बहुत जोर लगा लगा कर चूस रहा था. वो ऐसा कर रहा था तो मैं भी पूरे जोश में आ गई. मेरी चूचियां टाइट हो गई थीं.

उसने मुझसे हटा कर अपनी बनियान और पैन्ट निकाल दी. मुझे पीठ की तरफ से पकड़ लिया. अब मेरी दोनों चूचियां उसके दोनों हाथों में थीं और जोर जोर से दबा रहा था. साथ ही वो मेरी पीठ पर किस कर रहा था.

जैसे अमित ने चूची दबाई थी, उससे भी ज्यादा जोर लगा लगा कर चूची को चूस रहा था. मैं भी अब बार बार अपनी चूची दबवा रही थी. उसने मेरी चूची एक छोड़ दी और दूसरी को दबाता रहा.

फिर वो एक हाथ पीछे ले गया, मुझे घुमा दिया तो मैंने देखा कि वो एक हाथ से अपनी अंडरवियर निकाल रहा था. अगले ही पल मेरे सामने वो बिल्कुल नंगा था. अवी का लंड अमित की ही तरह था, पर इसमें लाल रंग का सुपारा बाहर वाला नहीं था, जो अमित के में निकला हुआ था. उसने कसके मुझे चिपका लिया, अब उसका लंड मेरे पेट में घुसा जा रहा था और जैसे वो लगातार बड़ा होता जा रहा था.

अवी ने मेरा हाथ ले जाकर अपने लंड पर रख दिया, मैंने हटा दिया. उसने इसी तरह 3-4 बार रखा पर मैंने हटा दिया. अवी ने कहा- मिनी जानेमन जी पकड़ो तो जरा.. कुछ नहीं होगा.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तो मैंने उसका लंड पकड़ लिया.. गर्म गर्म था लोहे की छड़ी जैसा कठोर.. मेरे पकड़ते ही उसका लंड और बड़ा हो गया.
अवी ने कहा कि इस कस के पकड़े पकड़े नीचे ले जाओ.

अवी मेरी चूची दबा रहा था और किस कर रहा था. मैं अपना हाथ पकड़े पकड़े नीचे ले जाने लगी तो अवी ने कहा कि जितनी ताकत है उतनी ताकत से दबाते हुए ले जाओ.
मैं उसके लंड को बहुत जोर से दबा कर नीचे ले जाने लगी, तो ऊपर की खाल हटने लगी.. और उसका लाल वाला भाग सुपारा बाहर निकलने लगा. ऐसा होते मैं पहली बार देख रही थी.

अवी ने मेरी चूचियां दबा दबा कर लाल करके छोड़ दिया था और कह रहा था कि अब मैं दोनों हाथों से उसके लंड को पकड़ लूँ.
मैंने उसके लंड को पकड़ा और कसके दबाते हुए नीचे ले गई, तो लाल वाला सुपारा पूरा बाहर आ गया. तब मैंने देखा कि अवी का लंड अमित से मोटा और लम्बा है.

फिर अवी ने मुझे बेड पर गिरा कर लिटा दिया और मेरी पैंटी निकाल कर फेंक दी और मेरी बुर, चूत, भोसड़ा.. जो भी कहें उसके सामने खुल गई थी.

अभी मेरी बुर पर बस बहुत हल्के हल्के रोयें थे. उसने बुर पर हाथ रखा और कहा- आए हाय… मेरी कुंवारी रानी..

वो मेरे ऊपर चढ़ कर बैठ गया. मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि वो क्या कर रहा है. मुझे बहुत मजा आ रहा था, मैं चाहती थी कि वो ये सब करता ही जाए.

फिर उसने अपने लंड को मेरी दोनों चूची के बीच में रखा और मेरी चूची इधर उधर से दाब कर लंड को आगे पीछे करने लगा. जैसे गांव में और अमित ने टांगों में लंड फंसा कर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

किया था.

अब उसका लंड और बड़ा और मोटा हो गया था. उसने लंड की गति बढ़ा दी. थोड़ी देर में लंड में से एक पिचकारी सी निकली जो मेरे पूरे मुँह पर गिरी. उसने अपना वीर्य मेरे मुँह पर फैला दिया, कुछ मेरे मुँह के अन्दर भी चला गया. मुझे ये माल अमित वाले माल से ज्यादा अच्छा लगा. जितना रस मुँह में गया था, मैं पूरा पी गई.

फिर अवी उठा.. मेरा ध्यान कहीं और था. वो थोड़ा आगे बढ़ कर मेरे चूची पर बैठ गया और चुटकी काट ली. मैं जोर से चिल्लाई.. जैसे ही मैंने मुँह खोला, अवी ने अपना लंड मेरे मुँह के अन्दर डाल दिया. लंड थोड़ा सा ही गया था, पर मैं बोल नहीं पा रही थी. वो मेरे मुँह में लंड डालने की कोशिश कर रहा था. पर इतना मोटा लंड था तो मेरे छोटे से मुँह में वो कैसे जा सकता था.

मुझे पहले लगा कि उल्टी हो जाएगी पर अवी ने फिर से आगे पीछे करना शुरू कर दिया. कुछ पल बाद वो खुद खड़ा हो गया.
उसने मुझे बिठा कर कहा- मुँह में लंड ले लो.
मैंने मना किया तो उसने जबरदस्ती मेरे मुँह में लंड घुसेड़ दिया और आगे पीछे करने लगा.

कुछ ही देर में धीरे धीरे कुछ ज्यादा लंड जाने लगा था. उसने और जोर लगाया तो थोड़ा और अन्दर चला गया. अब उसका आधे से ज्यादा लंड मेरे मुँह में था और वो उसे आगे पीछे कर रहा था. मैं भी उसका लंड चूस रही थी. मेरे मुँह में इतनी जगह नहीं थी कि सांस भी या हवा भी चली जाए.

कुछ देर मुँह की चुदाई करने के बाद उसने फिर स्पीड बढ़ा दी, मैं जान गई कि लंड से पिचकारी निकलने वाली है और इस बार मेरे मुँह में ही जाएगी. लेकिन वीर्य निकलने से पहले ही उसने लंड बाहर निकाल लिया. इससे हुआ ये कि लंड की पिचकारी से मेरा पूरा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शरीर वीर्य से भीग गया.
उसने लंड मुझे फिर से चुसाया और कहा- इसे चाट चाट के साफ कर दो रानी.
मैंने पूरा लंड चाट चाट कर साफ कर दिया और लंड से बचा हुआ पूरा वीर्य पी गई. अब मुझे ये वीर्य और लंड दोनों अच्छे लगने लगे थे.

अवी ने मुझे लिटा दिया और मेरे शरीर पर लगा हुआ खुद का वीर्य वो खुद चाटने लगा और उसने मेरे जिस्म को साफ कर दिया.

वो मेरे जिस्म को चाटते हुए मेरी बुर तक आ गया और उस पर अपनी जुबान रख कर चूत चाटने लगा. वो चूत को पूरा ऐसे चाट रहा था जैसे मुझे अभी लंड चुसाया था. उसने मेरी बुर में उसने जुबान डाल दी, मेरी सिसकारियां निकल पड़ीं.

अवी जोर जोर से चूत चाटने में लगा ही था कि उसी समय उसका मोबाइल बजा. उसने देखा तो उसके पापा का फोन था.
उन्होंने अवी से कहा- गेट खोलो.. मैं दरवाजे पर हूँ.

अवी डर गया और उठ कर खड़ा हो गया और उसने मुझसे कहा कि यार पापा बाहर हैं. तुम जल्दी से अपना सारा सामान लो और बाहर चलो. मैं कपड़े भी नहीं पहन पाई थी. उसने वही ड्रेस मुझे पहनाई और पीछे चैन बंद कर दी. उसने मुझे पैंटी भी नहीं पहनने दी. पैंटी को उठाकर बैग में डाल दी और खुद केवल अंडरवियर पहन कर तौलिया लपेट कर कमरे का दरवाजा खोला.

मुझसे कहा कि कार में पीछे की सीट पर नीचे दुबक कर बैठो, मैं अभी आता हूँ.

मैं कार में पैरों वाली जगह दुबक कर बैठ गई, मुझे भी डर बहुत लग रहा था.

अवी ने गेट खोला और उसके पापा अन्दर चले गए.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

थोड़ी देर बाद अवी तैयार होकर आया और गाड़ी स्टार्ट करके गेट के बाहर लाया और शहर से बाहर एकांत सड़क पर कुछ दूर ले जाकर कहा कि अब आगे आ जाओ..

मैं उतर कर आगे गई. मैं आगे बैठी ही थी कि उसने पीछे से मेरी ड्रेस की चैन खोल दी और आगे खींच के मेरे बूब्स खोल दिए और एक हाथ से दबाने लगा फिर अपना लंड लोअर से बाहर निकला और मुझसे कहा कि इसे पकड़ कर आगे पीछे करो.

मैं उसके लंड को आगे पीछे करने लगी. उसका लंड पहले तो छोटा ही था, पर मेरे सहलाने से बड़ा हो गया.

उसने मुझसे कहा- मुँह में लो.

मैंने उसका लंड मुँह में ले लिया और चूसने लगी. अब वो गाड़ी चला रहा था और मजे से उसका लंड चूस रही थी.

थोड़ी देर में ही उसने एक लिंक रोड पर कुछ दूर जाकर गाड़ी रोक दी और मुझे अपनी सीट पर अपने लंड के आगे बैठा लिया. अब उसने दोनों हाथों से मेरी चुचियों की मालिश शुरू कर दी, बहुत तेज तेज मेरे मम्मे दबाने लगा.
मैंने कहा- दर्द हो रहा है.. धीरे दबाओ.

उसने कार की दराज में से एक पैंटीन का शैम्पू का पाउच निकाल लिया, उसे फाड़ा और अपने हाथों में लगा कर फिर से मेरे मम्मों को पकड़ लिया और दबाने लगा है. अबकी बार उसने मेरे मम्मे कसके दबाये. कम से कम बीस मिनट तक मेरी चूचियां दबाता रहा. मेरी हालत ख़राब हो रही थी उस गांव वाले लौंडे और अमित ने क्या दबाए होंगे, इतनी ताकत से मसले थे. मुझे ऐसा लग रहा था कि अब खून निकल आएगा, इतने लाल हो गए थे. लेकिन शैम्पू की चिकनाई की वजह से वो बड़ी मस्ती से मम्मे दबाता गया. फिर उसने मुझे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अलग करके मेरे मुँह में फिर से लंड दे दिया.

आज ही आज में मैं तीसरी बार लंड चूस रही थी. उसने मुझसे कसके लंड चुसाया. मैं अभी लंड चूस ही रही थी कि उसने पिचकारी छोड़ दी, जो पूरी कि पूरी मेरे मुँह में भर गई. मैं लंड निकालने लगी पर अवी ने नहीं निकालने दिया. पूरा वीर्य मुझे पीना पड़ा. फिर मैंने लंड को चाट के साफ कर दिया और उसने जिप को बंद कर लिया.

मैं भी अपनी चैन बंद करने लगी तो उसने रोक दिया. अब वो एक हाथ से गाड़ी चला रहा था और एक से दूध दबा रहा था. अब मुझे भी कोई परहेज नहीं हो रहा था, मुझे अच्छा लग रहा था. तभी दिव्या की कॉल आई कि आ जाओ, मैं आ गई हूँ.

वो गाड़ी तेज चलाने लगा, पर मेरी चूची को नहीं छोड़ा. जब मैं अपने घर के सामने थी.. तब मैंने कहा- अब तो छोड़ दो, किसी और दिन पकड़ लेना.

उसने दोनों चूचों को अपने मुँह में लिया और दांत से काट लिया.. दोनों हाथों में पकड़ कर बहुत तेज दबा दिया. मेरी जान ही निकल गई.

फिर उसने खुद मेरी ड्रेस सही की और सामान उठाकर अन्दर लेकर गया. फिर वो चला गया, मैं इस सब में इतना थक गई थी कि मैंने जल्दी से ड्रेस बदली और ब्रा पैंटी पहनी और बिस्तर पर आकर सो गई.

सुबह सो कर जगी और नहाने चली गई तो मुझे लंड का मुँह में लेना और चूसना और उसका चूची दबाना याद आने लगा. वही सोच कर मैं हंसने लगी. तब मैंने शीशे में अपने आपको देखा, मेरी चूचियां अभी भी हल्की लाल थीं और सूजी लग रही थीं. मेरा मुँह थोड़ा बड़ा खुलने लगा था. मैं तैयार हो कर कॉलेज चली गई और वह दिन ऐसे बीत गया.

दूसरे दिन शनिवार था तो दिव्या घर चली गई.. मैं सो गई. सन्डे को मैं सुबह जगी और सारे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

काम ख़त्म किए और बैठी थी कि तभी अमित की कॉल आई.

अमित- हैलो मिनी कहां हो और क्या कर रही हो ?
मैं- फ्री हूँ यहीं घर पर हूँ.
अमित- तो यार मैं 5 बजे एक पार्टी दे रहा हूँ.. आ सकती हो क्या, और तुम्हें जरूर आना है.
मुझे तो पता ही था कि अमित क्यों बुला रहा था. मैंने कहा- ठीक है आ जाऊँगी किस समय आना है ?
अमित- थैंक्यू मिनी.. शाम को 5 बजे आ जाना मेरे घर पर..
मैं- ठीक है आ जाऊँगी..

फिर अमित के एक एक से बढ़िया सेक्सी एसएमएस आते थे, जिसमें दोस्त का बॉयफ्रेंड के बीच के सेक्स का फेवर किया गया था. उन एसएमएस को पढ़ने से लगता था कि अमित भी यही करना चाहता था.

शाम को 4 बजे मैं अमित के यहाँ जाने को तैयार होने लगी. मैं अवी के साथ इतना कर चुकी थी कि अब मुझमें शर्म थोड़ी कम लग रही थी. मैंने वही ड्रेस निकाली और बिना ब्रा और पैंटी के पहन ली.

मैंने आपको बताया होगा कि वो ड्रेस बिना ब्रा के पहनी जाती है और पैंटी ना पहनो तो अच्छी बात है, इसलिए अमित को नंगा दिखाने के लिए मैंने खुद ही नहीं पहनी. मैंने डार्क मेकअप कर लिया, लिपस्टिक बहुत गहरी लगा ली.

मैं उस ड्रेस को पहन कर उसके ऊपर एक और शर्ट पहन कर अमित के घर के बाहर पहुँच गई और बेल बजाई. अमित ने दरवाजा खोला और अन्दर आने को कहा. मैं अन्दर गई और बैठ गई.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अंदर जाते ही अमिने ऊपर वाला शर्ट उतार दिता. अब मेरी साइड से चूचियां दिख रही थीं और मेरी पीठ पेट भी साफ़ दिख रहा था.

मुझे ऐसे देख कर अमित में उत्तेजना आ गई थी. अमित ने कहा कि बस 2 मिनट रुको, मैं आया.

वो जब चला गया तो मैंने उस ड्रेस को ऊपर से थोड़ी ढील दे दी ताकि जल्दी खुल जाए और थोड़ा नीचे खींच दिया ताकि जब ऊपर अमित खोले तो पूरी चूचियां एक साथ दिख जाएं. अब मेरे चूतड़ दिखने लगे थे, अगर इससे नीचे करती तो आगे बुर दिखनी शुरू ही हो जाती.. और ऊपर आधी आधी चूचियां तो अभी ही दिख रही थीं.

तभी अमित आ गया, मैं ऐसे रही जैसे मेरी ड्रेस सही है और कुछ दिख नहीं रहा है.
अमित ने आकर एक गाना बजाया तो मैंने पूछा- और कौन आ रहा है ?
अमित ने कहा कि केवल तुम्हारी ही पार्टी थी.. आओ डांस करते हैं.

मैं उठ कर आगे बढ़ी और उसके हाथों में हाथ दे दिया, उसने मुझे खींच कर आगे की तरफ बढ़ाया और अपने करीब कर लिया. एक हाथ पीठ पर से कमर पर और दूसरा हाथ पीठ पर मेरी चुचियों के पास था.

अब वो और मैं डांस करने लगे. अमित धीरे धीरे पूरी पीठ को सहला रहा था और पीठ की ही तरफ से मेरी चुचियों को भी छू रहा था. उसके स्पर्श से मुझे मजा आने लगा.

इसी तरह कुछ गानों पर हम दोनों ने डांस किया. फिर वो मेरी पीठ पर एक हाथ ले गया और दूसरे हाथ को पट्टी के पास ले गया. उसने मेरे हाथ को नीचे पकड़ लिया और फिर उसने वो पट्टी खोल कर दूसरे हाथ से नीचे खींच दिया. पूरी की पूरी ड्रेस नीचे गिर पड़ी. मेरा मन तो नहीं था कि कुछ कहूँ.. लेकिन नाटक तो करना ही था, तो मैं अपने दूध ढकते

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हुई हटने लगी. अमित ने खुद को ऐसे अनजान शो कर दिया, जैसे कि मैं कपड़े पहने ही हूँ. उसने मुझे अपनी तरफ खींच कर कहा कि अभी तो डांस शुरू हुआ है.

ये कहते हुए पीछे से मेरी एक चूची को पकड़ लिया और एक हाथ से मेरे चूतड़ों को दबाने लगा. वो मुझे अपने से चिपकाता ही चला जा रहा था.

मैंने जोर से धक्का मारा तो अमित दूर होकर खड़ा हो गया और मुझे फटी निगाहों से ऐसे देखने लगा कि कोहिनूर हीरा देख लिया हो.

फिर मैंने जल्दी से ड्रेस को ऊपर खींचा और जल्दी से पट्टी बांधी.

अमित ने कहा- यार तुम ऐसे तो कितनी अच्छी लगती हो.. ऐसे ही रहा करो ना.. और ये खुल कैसे गई ?

मैं बिना कुछ बोले वहां से अपने घर चली गई. मैं मन में खुश थी, मुझे तो अब अपना जिस्म दिखाने में मजा आने लगा था.

मेरी इंडियन सेक्स स्टोरी आपको कैसी लग रही है.. अपने विचार मुझे बतायें !
कहानी जारी है.
janvees38@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पापा की बिटिया- बाप बेटी की चुदाई

मेरा नाम मंजू है, मेरी उम्र 19 साल, मेरी फीगर 36-26-34 और रंग गोरा है, मैं अपने पापा के साथ मुंबई में रहती हूँ, मेरी माँ मेरे पापा के दोस्त के बेटे राघव के साथ पिछले साल घर से भाग […]
Full Story >>>

पहले प्यार का चुदारम्भ-2

मेरी हिंदी सेक्स स्टोरी पहले प्यार का चुदारम्भ-1 में आपने पढ़ा कि मेरे पड़ोस की एक लड़की बड़ी खूबसूरत, सेक्सी थी, उसका जिस्म कुछ ज्यादा ही खिला हुआ था। लम्बे बाल, मटकती हुई गांड, मोहल्ले के सारे लड़के उसकी गांड […]
Full Story >>>

मेरी बीवी को मेरे दोस्त ने चोदा

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले मेरे प्यारे दोस्तो, मेरी पिछली कहानी मेरी बीवी निहाल हो गई पढी. उस खास रात को गुजरे करीब दो महीने बीत चुके थे। खास रात इसलिए क्योंकि नीना ने मेरे साथ मेरे दोस्त अमित के […]
Full Story >>>

कॉलेज गर्ल की इंडियन सेक्स स्टोरी-5

अब तक आपने इस इंडियन सेक्स स्टोरी के पिछले भाग में पढ़ा था कि मैं अपने गाँव गई हुई थी, मेरे गाँव में एक लड़के ने मुझे पकड़ लिया था और मेरी गांड की तरफ से मेरी जाँघों में लंड […]
Full Story >>>

पहले प्यार का चुदारम्भ-1

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार… साथ ही अन्तर्वासना को मेरी पहली कहानी को दीर्घकालीन बहु-लोकप्रिय रसभरी कहानियों के संग्रह में शामिल करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। दोस्तो, मेरा नाम आर्यन सिंह है और मैं मथुरा […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Indian Phone Sex

URL: www.indianphonesex.com **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Bengali, Kannada, Gujarati, Marathi, Punjabi, Malayalam **Site type:** Phone sex **Target country:** India Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all Indian languages.

Desi Tales

URL: www.desitales.com **Average traffic per day:** 61 000 GA sessions **Site language:** English, Desi **Site type:** Story **Target country:** India High-Quality Indian sex stories, erotic stories, Indian porn stories & sex kahaniya from India.

Antarvasna Sex Videos

URL: www.antarvasnasexvideos.com **Average traffic per day:** 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Delhi Sex Chat

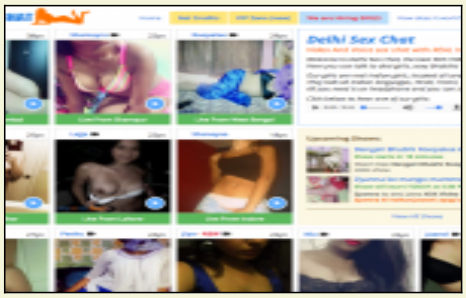

URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire